

Seat No. : \_\_\_\_\_

**NJ-107**

**November-2013**

**B.A. (Sem.-V) (CBCS)**

**CC-301 : HINDI**

**(काव्यशास्त्र)**

**Time : 3 Hours]**

**[Max. Marks : 70**

- सूचना :** (1) प्रश्न का क्रम सही लिखिए ।  
(2) प्रश्न की दाहिनी ओर गुण दर्शाये गए हैं ।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर **900** शब्दों में दीजिए : **14**  
काव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आचार्य भामह, कुंतक, विश्वनाथ एवं जगन्नाथ की दी गई परिभाषाएँ समझाइए ।

**अथवा**

काव्य-प्रयोजनों पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर **900** शब्दों में लिखिए : **14**  
शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए लक्षणा शब्द शक्ति के भेदोपभेद सोदाहरण समझाइए ।

**अथवा**

संक्षेप में **450** शब्दों में लिखिए :

- (1) अभिधा के भेद  
(2) व्यंजना शब्दशक्ति

3. रस की परिभाषा लिखते हुए रस के अंगों को स्पष्ट कीजिए । **14**

**अथवा**

संक्षेप में लिखिए : (**450** शब्दों)

- (1) शृंगार एवं वीररस का परिचय  
(2) रस का स्वरूप

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर **900** शब्दों में दीजिए । **14**  
अलंकार किसे कहते हैं, यह स्पष्ट करते हुए उपमा, श्लेष, उत्पेक्षा एवं यमक अलंकारों को सोदाहरण समझाइए ।

**अथवा**

छंद का महत्व समझाते हुए निम्नलिखित छंदों को स्पष्ट कीजिए –

दोहा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका, इंद्रवज्रा ।

5. सूचनानुसार कीजिए ।

5

(अ) सही है या गलत बताइए :

- (1) जिन काव्यों का आनंद पढ़ने-सुनने से प्राप्त होता है वह श्रव्य काव्य है ।
- (2) लक्षणा शब्द शक्ति के द्वारा साक्षात् सांकेतिक अर्थ की प्रतिती होती है ।
- (3) करुण रस का स्थायी भाव शोक है ।
- (4) 31 मात्राओं वाले छंद को वीर या आल्हा छंद कहते हैं ।
- (5) कनक-कनक ते सौगुनी मादकता अधिकारी में उपमा अलंकार है ।

(ब) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

5

- (1) दृश्य काव्य के \_\_\_\_\_ भेद माने गये हैं । (चार, दो, तीन)
- (2) 'गाय घास खा रही है' में \_\_\_\_\_ शब्द शक्ति है । (व्यंजना, अभिधा, लक्षणा)
- (3) संचारी भाव की संख्या \_\_\_\_\_ मानी गई है । (33, 9, 7)
- (4) हास्य रस का स्थायी भाव \_\_\_\_\_ है । (क्रोध, रति, हास)
- (5) महाकाव्य \_\_\_\_\_ होना चाहिए । (अलंकारयुक्त, सर्गबद्ध, गुणवान)

(क) सही जोड़े मिलाकर लिखिए :

4

अ

ब

- |   |                 |
|---|-----------------|
| (1) भामह  | (1) आचार्य दंडी |
| (2) काव्य शोभाकरान् धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते | (2) पंकज        |
| (3) योगरूढ शब्द                                 | (3) आठ          |
| (4) सात्त्विक अनुभावों की संख्या                | (4) अलंकारवादी  |